मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

पाठ्यक्रम को सहज बनाती बेसिक की कविताएं

अप्रैल 2024

संकलन कर्ता

काव्यांजलि टीम,
मिशन शिक्षण संवाद

CamScanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

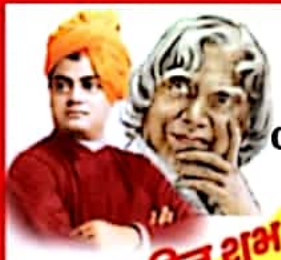

दिनांक
01 अप्रैल, 2024
काव्यांजलि
2168
दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय- हिन्दी(मंजरी)

साप्ताहिक धमाका

(पाठ-12, भाग-02)

और छपी थी खबर सनसनी,
पढ़ते जिसको लोग तमाम।
हेडमास्टर चोपड़ा के घर में,
स्कूल के चपरासी करते काम।।

कुछ बच्चों की शैतानी की,
ख़बरें भी थीं छपी यहाँ।
घड़ी बेच दी पिता की अपने,
जाने किसको, और कहाँ?

दीनू और रमेश ने देखी,
भाग कर स्कूल से पिक्चर।
मुंशी शादी लाल के कारनामे,
रिश्वतखोरी की चटर-पटर।।

सारी खबरें सनसनीखेज थीं,
इज्जत के उड़े परखच्चे।
सम्पादक के नाम के आगे,
लिखा हुआ था, "हम बच्चे"।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

दिनांक 02 अप्रैल 2024

काव्यांजलि

2169

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 07

कक्षा- 6

विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

विश्व में भारत भारत की स्थिति

उत्तरी गोलार्द्ध में,
एशिया महाद्वीप में।
भारत हमारा स्थित है।।

लगभग बीच से देश के,
गुजरे कर्क रेखा।
इन्दिरा प्वाइन्ट दक्षिणतम बिन्दु है।।

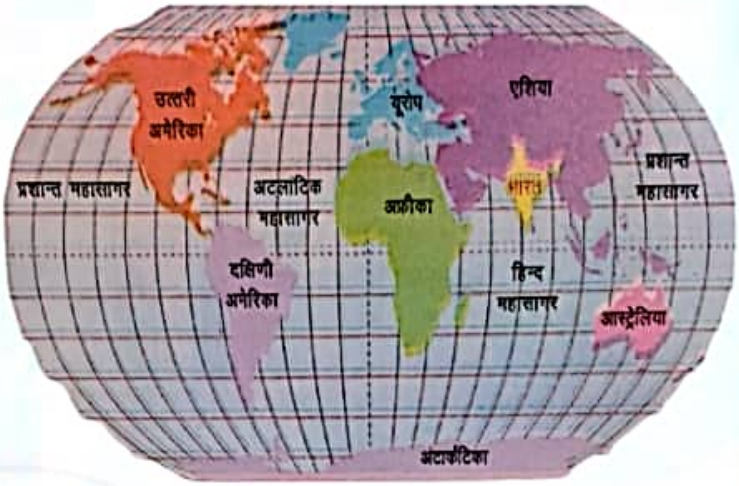

बत्तीस लाख सत्तासी हजार,
दो सौ तिरसठ वर्ग किमी।
भारत का कुल क्षेत्रफल है।।

दो हजार नौ सौ तैंतीस,
किलोमीटर चौड़ा।
पूरब से पश्चिम में भारत है।।

तीन हजार दो सौ चौदह,
किलोमीटर लम्बा।
उत्तर से दक्षिण में भारत है।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

दिनांक 03अप्रैल 2024

काव्यांजलि 2170

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

कक्षा- 7 पाठ- 3 भूकम्प

भाग- 2

प्लेटों की गति के कारण ही,
हलचल होती है उत्पन्न।
हलचल के कारण पृथ्वी में,
उत्पन्न होती भूकम्पीय तरंग।।

धरा के अन्दर जहाँ से,
उत्पन्न होता है कम्पन।
उस स्थान को हम कहते,
केन्द्र है भूकम्प का उद्गम।।

उद्गम केन्द्र के ठीक ऊपर,
धरा पर स्थित है एक बिन्दु।
इस बिन्दु को कहते हैं,
उद्गम का अधिकेन्द्र बिन्दु।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

CamScanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

काव्यांजलि
2171

दिनांक
4 अप्रैल 2024

दिन
गुरुवार

पाठ- 08

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा -2 विषय- कलरव (हिन्दी)

मेला

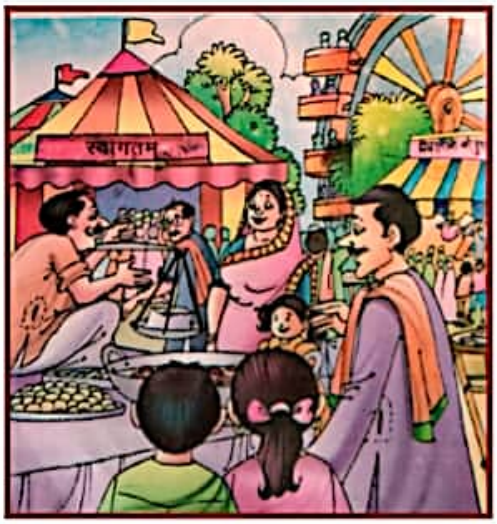

शिवपुर का मेला देखने,
जा रही थी श्यामा।
नयी फ्रॉक पहन कर खूब,
उत्साहित हो रही थी श्यामा।।

माता-पिता से जल्दी चलने की,
जिद कर रही थी श्यामा।
तभी आती चाचा की गाड़ी,
सबके साथ बैठ जाती है श्यामा।।

मेले में पहुँचकर सभी के साथ,
श्यामा बहुत खुश होती है।
बच्चे झूलते हैं झूला और,
श्यामा भी साथ होती है।।

सभी बच्चों ने मिठाई खाकर,
तरह तरह के खिलौने खरीदे।
मीनू ने एक जोकर लिया,
श्यामा ने भी खिलौने खरीदे।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

CamScanner

शिक्षा का उत्थान **मिशन शिक्षण संवाद** शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 05 अप्रैल 2024

काव्यांजलि

2172

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- विज्ञान, पाठ- 09

कुपोषण के लक्षण ...

जब सन्तुलित आहार न मिलता,
तब होता है कुपोषण।
आओ जानों बच्चों! इसको,
इसके सात हैं लक्षण।।

रुक जाती शरीर की वृद्धि,
माँसपेशियाँ ढीली हों।
चिड़चिड़ापन, घबराहट हो,
त्वचा भी पीली-पीली हो।।

हाथ-पैर पतले हो जाते,
और पेट फूल जाता है।
शीघ्र थकान लगेगी तुमको,
वजन भी कम हो जाता है।।

बच्चों और महिलाओं में,
कुपोषण ज्यादा असर करे।
रोग प्रतिरोधक क्षमता घटती,
शरीर को यह कमजोर करे।।

रचना-
राज कुमार शर्मा (प्र0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

CamScanner

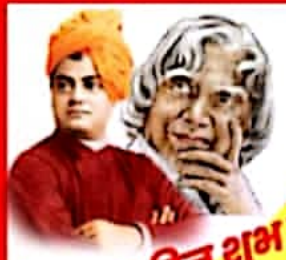

दिनांक 06 अप्रैल 2024

काव्यांजलि

2173

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-05 विषय-वाटिका
पाठ-02 भाग-07

पंच परमेश्वर

अलगू चौधरी बैलों की,
एक जोड़ी बटेसर से लाये।
एक बैल मरा कुछ दिन में,
दूजा अब किस काम आये।।

गाँव में थे एक समझू साहू,
बैल उन्होंने खरीद लिया।
एक माह में दाम चुकाने का,
अलगू से वादा किया।।

नया बैल पाते ही समझू,
लगे उसको रगेदने।
इतना काम कराया बैल से,
अब वो लगा रेंगने।।

ऐसा गिरा एक दिन बैल,
दुबारा न उठा पाया।
मर गया बैल वो समझू,
फिर भी न पछताया।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 08 अप्रैल 2024

काव्यांजलि 2174

दिन सोमवार

कक्षा- 6

आपका दिन शुभ हो।

विषय- विज्ञान,

इकाई- 8 जन्तु की संरचना व कार्य

मानव अंतः कंकाल (अक्षीय कंकाल)

206 अस्थियाँ मानव कंकाल की,
चलो आज गिन डालेंगे।
कहाँ-कहाँ ये पायी जाती,
सब देखकर बतलायेंगे।।

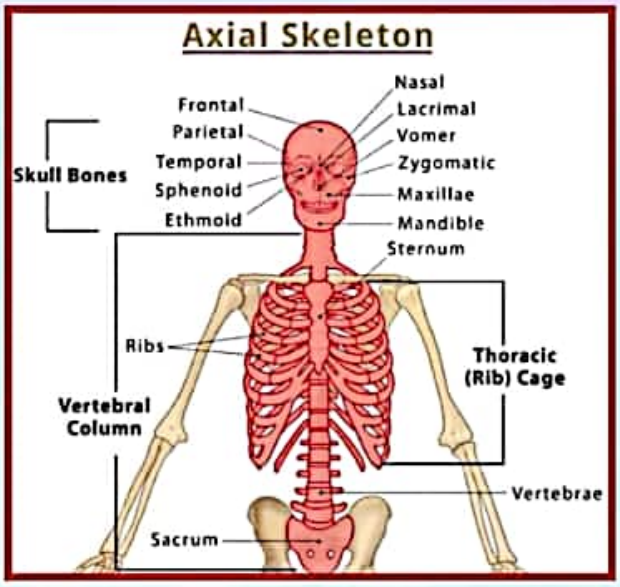

14 चेहरे और कपाल में 8,
6 हड्डियाँ होती दोनों कान।
1 हड्डी पायी जाती गर्दन में,
कुल 29 हड्डियाँ ये सिर में जान।।

7 कशेरुकाएँ ग्रीवा, 12 वक्षीय, 5 कटि भाग में,
1 कशेरुका सेक्रम, 1 श्रोणी भाग में।
ये 26 हड्डियाँ पायी जाती बच्चों,
जान लो तुम कशेरुक दण्ड में।।

25 संख्या में होती जानो वक्ष की हड्डियाँ,
शामिल जिसमें 1 उरोस्थि, 12 जोड़ी पसलियाँ।
कुल 80 ये सभी अक्षीय कंकाल हैं,
होते जो मानव के अंतः कंकाल हैं।।

रचना- सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

CamScanner

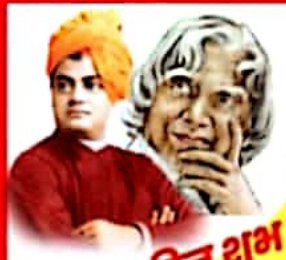

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
काव्यांजलि
2175
दिनांक
9अप्रैल 2024
दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हिन्दी (पंखुड़ी)

पाठ 5- साहसी सीमा (भाग 2)

रात हुई पर मदद न आई,
चारों ओर पानी ही दिखे भाई।
भाई को वो रही समझाती,
रात भर ढांढस रही बंधाती।।

सुबह तक दोनों छत पर रहे,
गांव में भरा पानी देखते रहे।
रहीम चाचा ने छत पर चढ़ाया,
बाढ़ से दोनों को उन्होंने बचाया।।

सुबह को मदद दस्ता आया,
सुरक्षित स्थान तक उन्हें पहुंचाया।
माता-पिता आए तब उनके,
गले मिल रोए दोनों उनके।।

साहस से सीमा ने परिवार बचाया,
हिम्मत से उसने संकट को टाला।
कोशिश जो करते होते कामयाब सदा,
मिले ईश्वर का उन्हें सहारा सदा।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र० अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर करन, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

काव्यांजलि
2176

दिनांक 10 अप्रैल 2024

दिन बुधवार

कक्षा- 6

आपका दिन शुभ हो।

विषय- विज्ञान

इकाई- 8 जन्तु की संरचना व कार्य

मानव अंत: कंकाल (अनुबन्धीय कंकाल)

आज हम सब जानेंगे अंत: अनुबन्धीय कंकाल को,
होती हैं 126 हड्डियाँ मानव अनुबन्धीय कंकाल में।
30 हड्डियाँ होती हैं मानव के एक हाथ में,
कुल मिलाकर 60 हड्डियाँ होती दोनों हाथ में।।

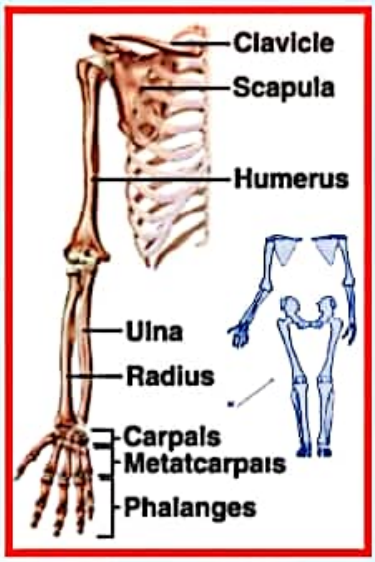

एक हाथ में 1 ह्यूमरस, 1 रेडियस, 1 अल्ना,
होते हैं 8 कार्पल्स मानव कलाई में।
5 मेटाकार्पल्स पाये जाते हथेली में,
और 14 फैलेन्जेस उँगलियों में।।

एक पैर में 1 फीमर, 1 पटेला, 1 टिबिया, 1 फिबुला,
7 टार्सल्स, 5 मेटाटार्सल्स, 14 फैलेन्जेस उँगलियों में।
30 हड्डियाँ ये होती हैं मानव के एक पाँव में,
कुल मिलाकर 60 हड्डियाँ होती दोनों पाँव में।।

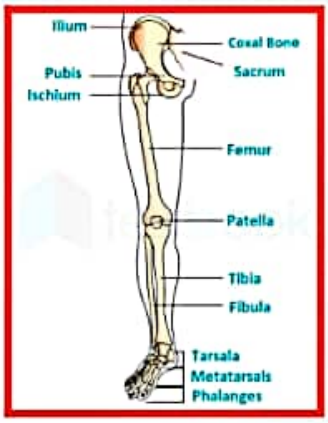

2 श्रोणी मेखला कूल्हे में, 2 अंस मेखला कंधे में,
कॉलर बोन कहलाती 2 क्लैविकल हड्डियाँ।
कुल 126 ये अनुबन्धीय कंकाल की हड्डियाँ,
सीखा हमने 206 मानव अंत: कंकाल की हड्डियाँ।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

आओ हाथ से हाथ मिलायें
9458278429
बेसिक शिक्षा का मान बढायें

CamScanner

दिनांक
11/04/2024

काव्यांजलि
2177

दिन
गुरुवार

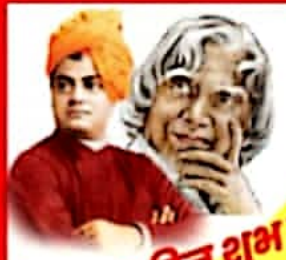

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 2

कक्षा- 5, विषय- हिन्दी

पंच परमेश्वर (भाग-1)

सच्ची मित्रता की सुनाती हूँ मैं कहानी आज,
ध्यान से सुनना छुपा है इसमें गहरा एक राज।
जुम्मन शेख और अलगू चौधरी मित्र बड़े थे खास,
आँख मूँद करते थे दोनों एक-दूजे पर विश्वास।।

जुम्मन शेख के घर में एक बूढ़ी खाला रहती थी,
शेख की पत्नि करीमन के जुल्मोसितम सहती थी।
ज़मीन जायदाद सारी उसने जुम्मन के की थी नाम,
उसी प्यार के बदले भूखी रहने तक का मिला अंजाम।।

पंचायत करने की खाला ने थी अब मन में ठानी,
बहुत कर लिया सहन नहीं अब होगी इनकी मनमानी।
बोली खाला जुम्मन से अब नहीं तुम संग गुजारा,
जो भी फैसला लेंगे पंच वही करना होगा गवारा।।

एक दिन खाला ने पेड़ के नीचे थी पंचायत बुलाई,
उन पंचों में एक सरपंच बना दिया था अलगू भाई।
सरपंच बना देख अलगू को जुम्मन मन में मुस्काये,
जिरह मगर जब की अलगू ने थे हैरत से घबराये।।

रचना- पारुल चौधरी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हरचंदपुर (1-8)
खेकड़ा, बागपत

दिनांक
12 अप्रैल, 2024

काव्यांजलि
2178

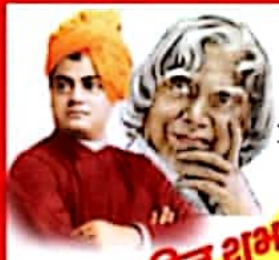

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-2, विषय- हिन्दी

कबूतर (पाठ- 07)

हमने कुछ कबूतर पाले,
उजले-उजले, काले-काले।
पैरों में पैंजनियाँ बाँधे,
सुन्दर चाल चलें मतवाले।।

कबूतर में प्यार बहुत है,
करते सबको दुलार बहुत हैं।
बिल्ली देख डर जाते हैं,
आँखे अपनी बन्द कर लेते हैं।।

रेशम जैसे हैं पंख निराले,
पँखों के अन्दर चोंच छिपा लें।
गुटर-गूँ है इनकी बोली,
सबके मन में मिसरी घोली।।

रचना
शीबा नाज़ अंसारी (प्र०अ०)
प्रा० वि० बैसनपुरवा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 13 अप्रैल 2024
दिन शनिवार
काव्यांजलि
2179
पाठ- 07

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

विश्व में भारत

भारत का अक्षांशीय और देशान्तरीय विस्तार

आठ डिग्री चार मिनट,
उत्तरी अक्षांश से।
सैंतीस डिग्री छः मिनट,
उत्तरी अक्षांश तक।
भारत भूमि का विस्तार,
दक्षिण से उत्तर है।

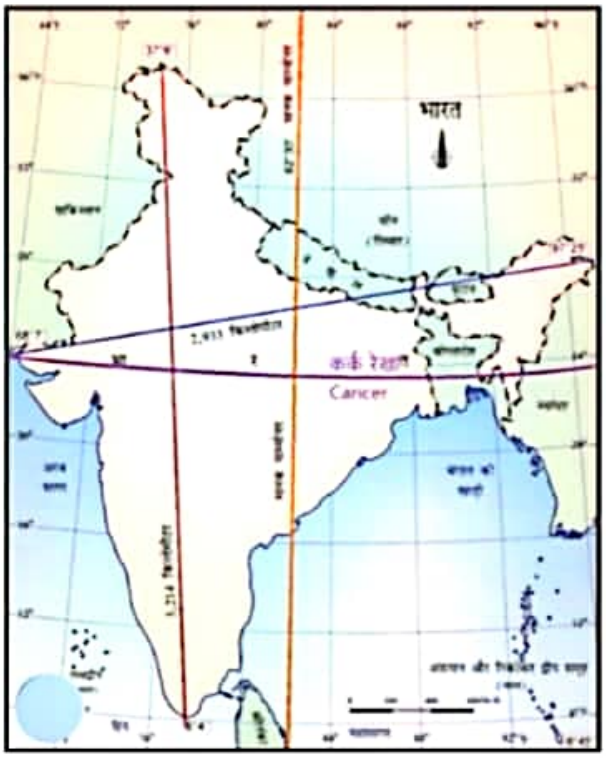

अड़सठ डिग्री सात मिनट,
पूर्वी देशान्तर से।
सत्तानवे डिग्री पचीस मिनट,
पूर्वी देशान्तर तक।
भारत भूमि का विस्तार,
पश्चिम से पूरब है।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

दिनांक 15 अप्रैल 2024

काव्यांजलि

2180

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

कक्षा- 7 पाठ- 3

भूकम्प से लाभ

मानव जीवन को भूकम्प,
कर देते हैं अस्त-व्यस्त।
हानि-लाभ दोनों होता,
दोनों से मिलता लाभ-कष्ट।।

पृथ्वी के भीतर की जानकारी,
भूकम्पीय तरंगों से मिलती।
बहुमूल्य खनिज पदार्थ सभी,
हलचल से ऊपर आ जाती।।

समुद्र के किनारे का भाग,
भूकम्प से नीचे धंस जाता।
जिससे बनती गहरी खाई,
जलयान किनारे पहुँच पाता।।

आवागमन में होती सुविधा,
व्यापार को मिलता है बढ़ावा।
इस प्रकार भूकम्प भी,
आमदनी का आधार बनाता।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
2181
दिनांक 16 अप्रैल 2024
दिन मंगलवार
पाठ- 10

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा -2 विषय- कलरव (हिन्दी)

चाँद

गर्मियों की एक रात में,
साबिर बैठा था छत पर।
अम्मी-अब्बू भी थे साथ,
सना दीदी आ गई छत पर।।

आसमान में चाँद खूब,
रोशनी बिखेर रहा था।
साबिर को थाली के जैसा,
गोल चाँद लग रहा था।।

तभी साबिर सना दीदी से,
एक प्रश्न पूछता है।
दीदी चाँद की धरती पर,
कौन-कौन रहता है।।

सना दीदी ने प्यार से,
साबिर को समझाया।
हवा, पानी नहीं है चाँद पर,
वहाँ कोई राह न पाया।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 17 अप्रैल 2024

काव्यांजलि
2182

दिन बुधवार

विषय- हिन्दी, कक्षा- 5, पाठ- 1

विमल इन्दु की विशाल किरणें

हे प्रभु! तुझमे तेज है इतना,
सूर्य-चन्द्र में प्रकाश जितना।
आदि न अन्त है तेरा भगवन,
गुणगान गाएं हम तेरा कितना।।

कृपाशील तुम दया के सागर,
सारी दुनिया के तुम सहारे।
ये उठती-गिरती सागर की लहरें,
सारी प्रकृति गुण गाये तुम्हारे।।

विमल इंदु की विशाल किरणें,
प्रकाश तेरा बता रही हैं।
अनादि तेरी अनंत माया
जगत को लीला दिखा रही हैं।।
प्रसार तेरी दया का कितना
ये देखना हो तो देखे सागर।।
तेरी प्रशंसा का राग प्यारे
तरंगमालाएँ गा रही है।।

तुम चन्द्रमा की उजली किरण से,
तुम तो परे हो जन्म-मरण से।
नदियों की कल-कल में हँस रहे हो,
सब पाप मिटते तेरे वरण से।।

बिगड़े काम सभी बन जाते,
शरण में तेरी जो जन आते।
विश्वास सबका, आशा तुम्ही से,
अन्तर्यामी तुम्ही कहाते।।

रचना:-
पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर,
क्षेत्र व जनपद - चित्रकूट

CamScanner

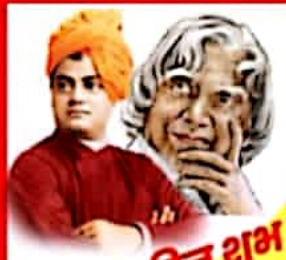

दिनांक 18अप्रैल 2024

काव्यांजलि

2183

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-05 विषय-वाटिका
पाठ-02 भाग-08

पंच परमेश्वर

इस घटना को बीत गए,
देखो कई दिन।
अलगू बैल का दाम मांगते,
अक्सर गिन-गिन।।

साहू-साहूवाइन झल्ला उठते,
मुर्दा बैल दिया था तुमने।
ऐसा बैल न किसी काम का,
खूब खिलाया हमने।।

फिर भी यह हरदम,
रहता था बीमार।
काम करने न पाता,
कदम चलता दो-चार।।

देखते-देखते अब,
हो गया था झगड़ा।
साहू और अलगू में,
झगड़ा देखो तगड़ा।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

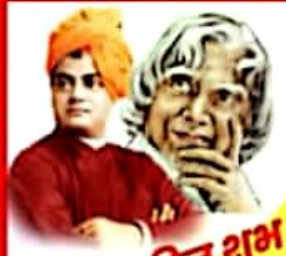

दिनांक 19 अप्रैल 2024

काव्यांजलि 2184

दिन शुक्रवार

कक्षा- 6

आपका दिन शुभ हो।

विषय- विज्ञान

इकाई- 4 पास-पड़ोस में होने वाले परिवर्तन

परिवर्तन के प्रकार (भाग-1)

वस्तु की अवस्था, आकार, रंग, गंध एवं स्वाद,
तथा प्रकृति में निरन्तर होने वाले बदलाव।
जानो बच्चों! ये सब परिवर्तन कहलाते हैं,
प्रकार परिवर्तन के अब तुमको बतलाते हैं।।

चित्र 4.1 - मंद तथा तीव्र परिवर्तन

तेज़ गति से होने वाले परिवर्तन,
तीव्र परिवर्तन कहे जाते हैं।
और मंद गति से होते जो परिवर्तन,
वे मंद परिवर्तन की श्रेणी में आते हैं।।

उपयोगी तथा लाभदायक परिवर्तन,
अनुकूल परिवर्तन कहलाते हैं।
अनुपयोगी तथा हानिकारक परिवर्तन,
प्रतिकूल परिवर्तन पुकारे जाते हैं।।

निश्चित समय पर लगातार होते रहते जो,
परिवर्तन वे, नियमित परिवर्तन कहलाते हैं।
परिवर्तन, जिनका समय निश्चित नहीं होता,
वे अनियमित परिवर्तन बन जाते हैं।।

रचना- सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

CamScanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

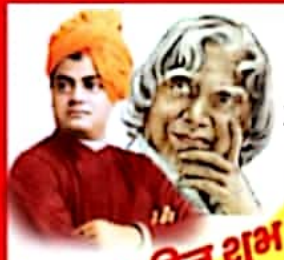

दिनांक 20 अप्रैल 2024

काव्यांजलि

2185

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हिन्दी (पंखुड़ी)

पाठ- 7 इसमें क्या शक है (भाग 1)

राजा था वह एक शहर का,
प्रिय बहुत वह जनता का।
एक दिन एक आदमी आया,
साथ में अपने तोता लाया।।

बोला राजा से तोते वाला,
तोता है यह होशियार वाला।
बात करता है वह सबसे,
नकल उतारे सबकी झट से।।

तोते से फिर पूछे है राजा,
करते हो बात क्या तोते राजा।
तोता बोला इसमें क्या शक है,
ले लो परीक्षा अगर शक है।।

तोते को राजा महल में लाया,
तोते से फिर उसने प्रश्न उठाया।
क्या वह एक अच्छा राजा है,
तोता बोला इसमें क्या शक है।।

प्रस्तुत
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र० अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर करन, उन्नाव

CamScanner

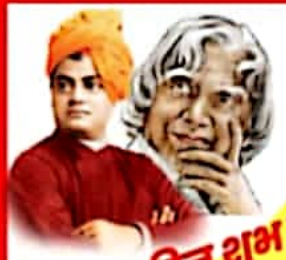

दिनांक 22/04/2024

काव्यांजलि

2186

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 2 (विषय- हिन्दी)

(पाठ-5) टपका का डर

बात सुनाएँ एक काली रात की,
झड़ी लगी हुई थी बरसात की।
दादी की थी झोपड़ी पुरानी,
टपक रहा था उसमें पानी।।

बारिश और ओलों के डर से,
एक बाघ वहाँ आ दुबका।
परेशान हो बोलीं दादी,
पानी जोर-जोर जब टपका।।

बाघ से डर नहीं लगता मुझको,
जितना डराता है यह टपका।
सुनकर यह बात दादी की,
डरके, बाघ जंगल को लपका।।

जिस से डरती है यह दादी,
बड़ा भयानक होता है।
मुझसे भी कोई बड़ा जानवर,
टपका शायद होता है।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर, धनीपुर
जनपद- अलीगढ़

CamScanner

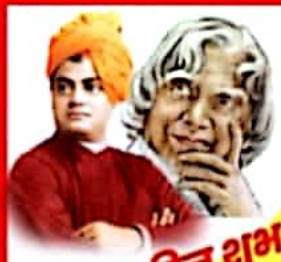

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
दिनांक 23/04/2024
काव्यांजलि
2187
दिन मंगलवार
आपका दिन शुभ हो।
कक्षा- 5, विषय- प्रकृति

पाठ- 13

जल है तो कल है

हमारे जीवन के लिए बहुत ही,
आवश्यक होता है जल।
पीने के पानी की व्यवस्था,
रखते हैं सार्वजनिक स्थल।।

पेड़-पौधों और फसलों की वृद्धि,
के लिए भी जल की आवश्यकता होती है।
'जल ही जीवन है जैसे शब्दों पर,
विचार करने की आवश्यकता अभी है।।

भूमिगत जल के लगातार निकलने से,
जल की कमी का सामना कर रहे हैं।
इसलिए जल को संरक्षित करने के,
नये तरीकों की खोज कर रहे हैं।।

जल की कमी को दूर करने के लिए,
जरुरी है जल का संचयन एवं पुनर्भरण।
तालाबों में वर्षा का जल इकट्ठा करें,
व्यर्थ न बहाएँ, जल का करें संरक्षण।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

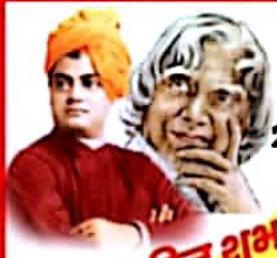

दिनांक
24 अप्रैल, 2024
काव्यांजलि
2188
दिन
बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय- हिन्दी(मंजरी)

साप्ताहिक धमाका

(पाठ-12, भाग-03)

सभी मुहल्ले के वासी थे,
इस हड़कम्प से परेशान।
कौन कर रहा सभी खुलासे,
किसका था यह खुफिया काम?

मीटिंग गयी बुलायी जिसमें,
पधारे मुंशी शादी लाल।
बैठे थे पण्डाल में माथुर,
चेलाराम, धनीराम, चिरंजीलाल।।

हुई घोषणा ईनाम देने की,
हर बच्चे को रुपये पाँच।
जिनका भी है काम, बताये,
नहीं आयेगी उन पर आँच।।

शाबाशी देंगे सब मिलकर,
खूब बड़ाई सबकी होगी।
मोहल्ले की तमाम बुराइयाँ,
साप्ताहिक धमाका से दूर होंगी।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

दिनांक 25 अप्रैल 2024

काव्यांजलि

2189

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 07

कक्षा- 6

विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

विश्व में भारत भारत का समय

देशान्तरीय विस्तार अधिक,
उनतीस डिग्री अठारह मिनट।
दो छोर पर स्थानों के,
इससे होते समय अलग।।

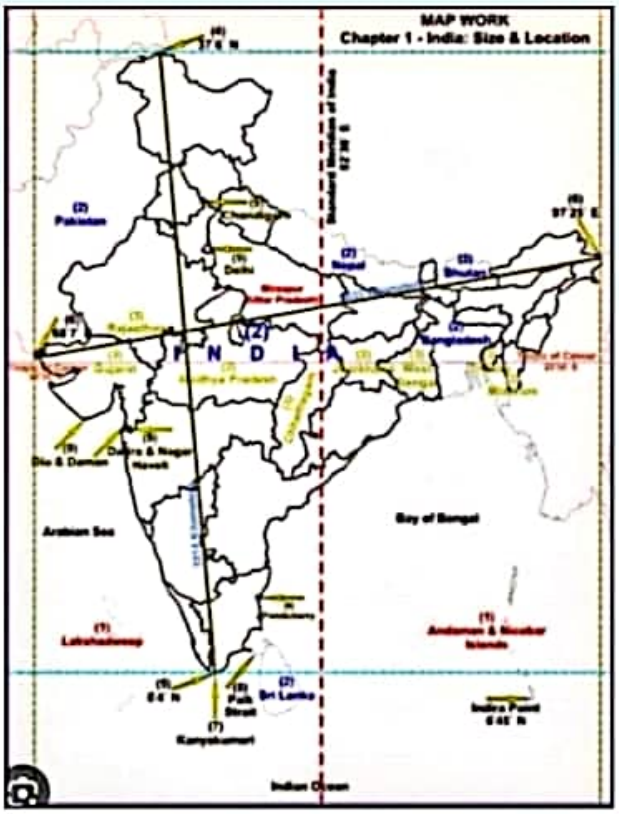

अत: समस्या दूर करने को,
युक्ति गयी अपनाई।
मानक समय में भारत के,
दूर हुई कठिनाई।।

बयासी डिग्री तीस मिनट,
पूर्वी देशान्तर रेखा के।
स्थानीय समय को मानक,
समय भारत का हैं कहते।।

ग्रीनविच मानक समय से यह,
साढ़े पाँच घण्टा आगे है।
इस मानक समय का देशान्तर,
प्रयागराज से गुजरता है।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान — शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 26 अप्रैल 2024

काव्यांजलि 2190

दिन शुक्रवार

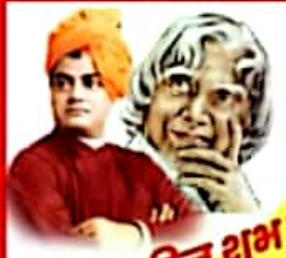

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

कक्षा- 7 पाठ- 3

भूकम्प से हानि

भूकम्प से होती बहुत हानि,
बदल जाती मानव जीवन कहानी।
लाभ से ज़्यादा होती हानि,
हानि रचती दुःख भरी कहानी।।

सड़क, पुल, बिजली के खम्भे,
रेल पटरी आदि टूट जाते।
कल-कारखानों में लगती आग,
मकान भी टूटकर गिर जाते।।

भू-स्खलन क्रिया होती तेज,
बड़े भू-भाग धँस जाते।
होती जन-धन की हानि,
भूकम्प विनाश ही लाते।।

तीव्र भूकम्प के आने से,
सुनामी लहरें उत्पन्न होती।
इस कारण तटीय क्षेत्रों में,
मानव जीवन की हानि होती।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

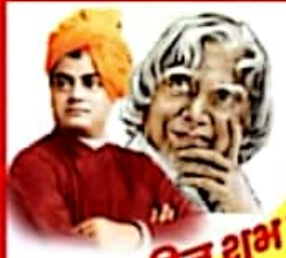

दिनांक
27 अप्रैल
2024

काव्यांजलि
2191

दिन
शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा -2 विषय- कलरव
(हिन्दी)

पाठ- 10
भाग- 02

चाँद

साबिर ने अपनी अम्मी से,
चाँद के बारे में पूछा।
मम्मी ने बताया चाँद पर
कहीं गड्ढा तो कहीं है ऊँचा।।

हमारी धरती के कुछ लोग,
रॉकेट से चाँद पर जाते हैं।
परीक्षण के लिए वहाँ से,
नमूने धरती पर लाते हैं।।

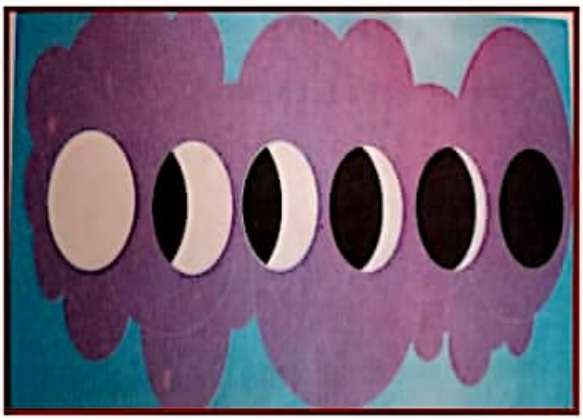

अब्बू ने बताया चाँद को,
सूरज से प्रकाश मिलता है।
इसीलिए हमारा चाँद,
निरन्तर चमकता है।।

सूरज एक तारा है और,
वह स्वयं चमकता रहता है।
अब्बू की बातें सुनकर,
साबिर बहुत खुश होता है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

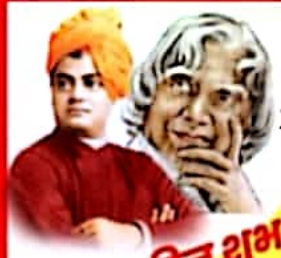

दिनांक
29 अप्रैल 2024

काव्यांजलि
2192

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय- हिन्दी (पंखुड़ी)

पाठ 7 इसमें क्या शक है (भाग 2)

राजा ने पूछा तोते से,
प्रजा करे क्या प्रेम उससे।
बोला तोता इसमें क्या शक है,
पाओगे राजा यही जवाब मुझसे।।

जो भी प्रश्न पूछता राजा,
तोते का होता वही जवाब।
इसमें क्या शक है जैसे,
उसका था तकिया कलाम।।

राजा गुस्से में फिर झल्लाया,
बेवकूफ तोते को बतलाया।
तोता का था वही जवाब,
रटा हुआ था उसने सुनाया।।

राजा सोच-सोच पछताया,
क्यों तोते को महल में लाया।
तोते ने राजा को बेवकूफ बताया,
वही जवाब बार-बार दोहराया।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र० अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर करन, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

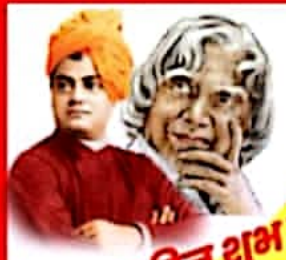

दिनांक
30 अप्रैल
2024

काव्यांजलि
2193

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-05 विषय-वाटिका
पाठ-02 भाग-08

पंच परमेश्वर

लोगों ने समझाया कि,
कर लो अब पंचायत।
तब ही जाकर खत्म होगी,
तुम दोनों की शिकायत।।

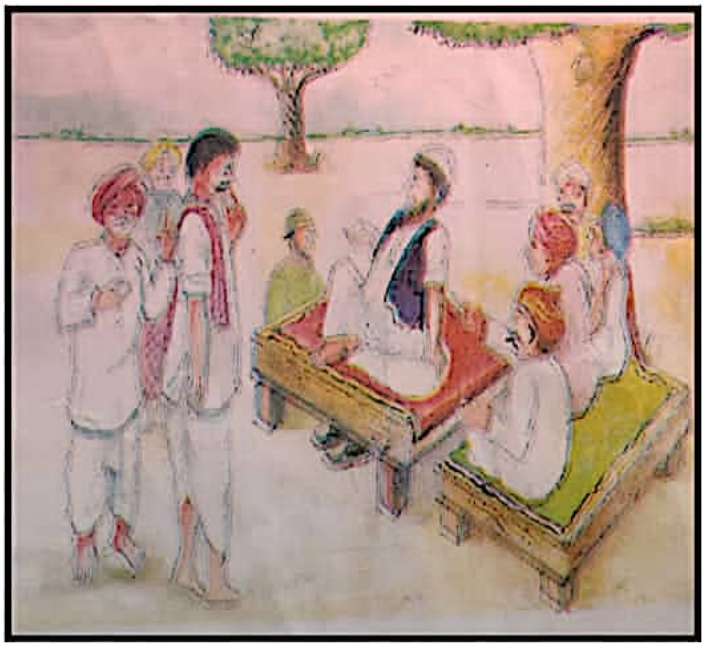

फिर पंचायत लगी,
उसी पेड़ के नीचे।
अलगू समझू भी आये,
जुम्मन भी आये पीछे।।

रामधन बोला अलगू से,
पंच किसको बनाना है।
बोले अलगू समझू चुन लें।,
इसमें क्या बतलाना है।।

समझू ने जुम्मन शेख,
कड़क से नाम लिया।
कलेजा अलगू का,
जोर-जोर धक-धक किया।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

काव्यांजलि- माह अप्रैल, 2024

2168- सोमवार, 01 अप्रैल, साप्ताहिक धमाका-02, शिखा वर्मा, सीतापुर
2169- मंगलवार, 02 अप्रैल, भारत की स्थिति, अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी
2170- बुधवार, 03 अप्रैल, भूकम्प, रुखसाना बानो, मीरजापुर
2171- गुरुवार, 04 अप्रैल, मेला, मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
2172- शुक्रवार, 05 अप्रैल, कुपोषण के लक्षण, राजकुमार शर्मा, चित्रकूट
2173- शनिवार, 06 अप्रैल, पंच परमेश्वर, सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर
2174- सोमवार, 08 अप्रैल, मानव अंत: कंकाल, सुमन सिंह, सोनभद्र
2175- मंगलवार, 09 अप्रैल, साहसी सीमा-02, नीतू शुक्ला, उन्नाव
2176- बुधवार, 10 अप्रैल, मानव अंत: कंकाल, सुमन सिंह, सोनभद्र
2177- गुरुवार, 11 अप्रैल, पंच परमेश्वर-01, पारुल चौधरी, बागपत
2178- शुक्रवार, 12 अप्रैल, कबूतर, शीबा नाज़ अंसारी, सीतापुर
2179- शनिवार, 13 अप्रैल, भारत का विस्तार, अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी
2180- सोमवार, 15 अप्रैल, भूकम्प से लाभ, रुखसाना बानो, मीरजापुर
2181- मंगलवार, 16 अप्रैल, चाँद, मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
2182- बुधवार, 17 अप्रैल, विमल इंदु की विशाल किरणें, पुष्पा पटेल, चित्रकूट
2183- गुरुवार, 18 अप्रैल, पंच परमेश्वर, सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर
2184- शुक्रवार, 19 अप्रैल, परिवर्तन के प्रकार-01, सुमन सिंह, सोनभद्र
2185- शनिवार, 20 अप्रैल, इसमें क्या शक है -01, नीतूशुक्ला, उन्नाव
2186- सोमवार, 22 अप्रैल, टपका का डर, पूनम गुप्ता, अलीगढ़
2187- मंगलवार, 23 अप्रैल, जल है तो कल है, ज्योति सागर, बागपत
2188- बुधवार, 24 अप्रैल, साप्ताहिक धमाका-03, शिखा वर्मा, सीतापुर
2189- गुरुवार, 25 अप्रैल, भारत का समय, अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी
2190- शुक्रवार, 26 अप्रैल, भूकम्प से हानि, रुखसाना बानो, मीरजापुर
2191- शनिवार, 27 अप्रैल, चाँद, मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
2192- सोमवार, 29 अप्रैल, इसमें क्या शक है- 02, नीतू शुक्ला, उन्नाव
2193- मंगलवार, 30 अप्रैल, पंच परमेश्वर, सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर

संकलन कर्ता :- राज कुमार शर्मा, मिशन शिक्षण संवाद

CamScanner